आसमान में कबूतरों की उड़ान से रविवार को जेएलएन मार्ग पर ऐसा लगा जैसे वाहन चालकों को छाते तान कर ठंड से बचाव किया हो। फ़ोटो : दिनेश भारद्वाज

जीवन पर्यन्त रहते हैं, बचपन के संस्कार : आचार्य सौरभ सागर

जयपुर। ज्ञानयोगी आचार्य सौरभसागर ने रविवार को श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में हुई धर्म सभा में संबोधित करते हुए कहा कि बचपन में दिए गए संस्कार शिक्षा पूरे जीवन में काम आती है। आज के परिवेश में सभी माता-पिताओं को सीख देए हुये आचार्यश्री ने कहा कि अपने बच्चों को बचपन से ही धर्म की नैतिकता की शिक्षा देनी चाहिए, क्योंकि छोटा बच्चा कच्ची मिट्टी की भांति होता है उसे अपन जैसा आकार देना चाहे दे सकते है। जैसे गीली मिट्टी को आकार दिया जा सकता है लेकिन सूखने के बाद उसको आकार देना मुश्किल है उसी प्रकार बच्चे के बडे हो जाने के बाद बदलना मुश्किल हो जाता हैं। हमें अपने बच्चों को एक हंस की भांति उज्जवल जीवन वाला बनाना चाहिए ताकि, जैसे हंस दूध व पानी का भेद निकालता है उसी प्रकार एक संस्कार सम्पन्न व्यक्ति संसार में अच्छा बुरा का निर्णय लेने में सक्षम होता है।

बगुला और हंस का उदाहरण देते हुए आचार्यश्री ने कहा कि पानी में बगुला मछली रूपि बुराई को पकडेगा तो हंस पानी में मोती ढूंढेगा। जबकि दोनो का रूप रंग एक सा ही है लेकिन परिणाम स्वभाव में आता है। इसलिये अपने बच्चों का बगुला भक्त मत बनाओं एक सस्ंकार सम्पन्न व्यक्ति बनाओं। आचार्यश्री ने कहा कि संडे का संतडे या भगवन्त डे बनालो जीवन सुधर जायेगा। हर संडे को संतों के सानिध्य में आओ, संत दूर है तो मन्दिरजी में भगवान के दर्शनों को जावो यह नियम बनालो आपका जीवन सुधर जाएगा। इसीदिन दोपहर में आचार्यश्री सौरभसागरजी महाराज ने त्रिवेणीनगर जैन मन्दिर के लिए विहार किया।

आचार्य सौरभ सागर ने श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में हुई धर्म सभा को संबोधित किया।

गोगामड़ी की हत्या के लिए रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण ने दोनों शूटर्स को तैयार किया

सूत्रों के अनुसार शूटर रोहित की गोगामेड़ी से 7 साल पुरानी रंजिश थी, इसी के चलते वह गोगामेड़ी की हत्या के लिए तैयार हो गया था

जयपुर। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के लिए रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण ने दोनों शूटर्स को तैयार किया था

पुलिस ने बताया कि यह हत्याकांड रोहित गोदारा के इशारे पर हुआ। मास्टरमाइंड वीरेंद्र चारण की प्लानिंग पर दोनों शूटर्स ने गोगामेड़ी को मारा था। इनमें से एक शूटर की गोगामेड़ी से रंजिश थी। पकड़े गए दोनों शूटर्स हरियाणा के महेंद्रगढ़ का नितिन फौजी और राजस्थान में नागौर जिले के रोहित राठौड़ हत्याकांड के बाद गैंगस्टर रोहित गोदारा के संपर्क में थे। वहीं, इनके हैंडलर वीरेंद्र चारण ने इनको लॉजिस्टिक, हथियार और रुपए तक मुहैया कराए थे। कहां भागना है, कैसे भागना है, इसका पूरा डायरेक्शन रोहित गोदारा से मिल रहा था।

भवानी सिंह उर्फ रोनी पहले से रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण के संपर्क में था। भवानी सिंह उर्फ रोनी ने रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण से नितिन फौजी की मोबाइल पर बात करवाई और उसे जयपुर में एक व्यक्ति को मारने के लिए तैयार किया। भवानी सिंह उर्फ रोनी ने 28 नवंबर को नितिन फौजी को टैक्सी से जयपुर भिजवाया। 5 दिसंबर को नितिन फौजी अजमेर रोड पर रोहित राठौड़ से मिला। इन दोनों को नवीन शेखावत स्कॉर्पियो में बैठाकर यहां से सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के मकान पर ले गया। बैठक में बातचीत के दौरान दोनों शूटर्स ने अंधाधुंध फायरिंग कर गोगामेडी और नवीन सिंह शेखावत की हत्या कर दी और तीसरे व्यक्ति अजीत सिंह को घायल कर दिया।

जयपुर पुलिस जल्द शूटर नितिन फौजी के साथी गुरुग्राम जेल में बंद भवानी सिंह उर्फ रोनी और राहुल कौथल को जेल से गिरफ्तार कर जयपुर लेकर आने वाली है। सूत्रों के अनुसार 50 हजार रुपए में मर्डर करना तय हुआ था। रोनी के कहने पर ही रामवीर जाट ने नितिन और रोहित राठौड़ के जयपुर में रुकने, हथियार मुहैया कराने और गोगामेडी पर फायरिंग की प्लानिंग बनाई थी।

आनंदपाल एनकाउंटर के बाद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने ही पूरे आंदोलन की अगुवाई की थी। लेकिन, इसके बाद से बदली परिस्थितियों में उन पर रुपए लेने के कई आरोप लगे। इसके साथ उसकी लॉरेंस गैंग के साथ अनबन शुरू हो गई थी। इस बात का खुलासा दोनों शूटर्स ने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच से किया है। हालांकि अभी पूरा खुलासा जयपुर पुलिस के पूछताछ करने के बाद ही होगा।

सूत्रों के अनुसार एक चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि रोहित राठौड़ की गोगामेड़ी से निजी दुश्मनी थी। इसी के चलते वह गोगामेड़ी के मर्डर के लिए तैयार हो गया था। 7 साल पहले जयपुर के वैशाली नगर थाने में रोहित पर राजपूत समाज की एक नाबालिग लडकी के अपहरण और रेप करने का मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में नाबालिग के पिता की मदद गोगामेड़ी ने ही की थी।

रोहित को इसी मामले में जेल काटनी पड़ी थी। इस केस के सिलसिले में उस पर घरवालों को काफी पैसे खर्च करने पड़े थे। साथ ही बहन की शादी के लिए उसका जयपुर स्थित मकान गिरवी तक रखना पड़ा था। इसी कारण से वह गोगामेड़ी को अपना दुश्मन मानता था। जयपुर जेल में रहने के दौरान ही रोहित राठौड़ की जान-पहचान लॉरेंस गैंग के वीरेंद्र चारण से हो गई थी। उसी ने वीरेंद्र को इस हत्याकांड के लिए तैयार किया था। महेंद्रगढ़ हरियाणा से गिरफ्तार हुए रामवीर जाट से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उसने भी नितिन फौजी के कई ठिकानों के बारे में बताया था। उन पर काम करने से पहले ही दिल्ली पुलिस को जानकारी मिल गई थी।

डीजीपी मिश्रा ने गोगामेड़ी हत्याकांड के शूटरों को पकड़ने पर पुलिस टीम को दी बधाई

जयपुर। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने गोगामेडी हत्याकांड के दोनों शूटरों को गिरफ्तार कर लेने पर पुलिस टीम को बधाई दी हैं।

इस मामले के दोनों आरोपियों के चंडीगढ़ से पकड़ लेने पर मिश्रा ने जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ, इस मामले में गठित एसआईटी के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एनएम एवं एसआईटी प्रमुख अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कैलाश विश्नोई एवं टीम को बधाई दी हैं। मिश्रा ने इसे इंटर स्टेट पुलिस समन्वय एवं सहयोग का अनुपम उदाहरण बताया है। उन्होंने सहयोग एवं समन्वित प्रयास के लिए दिल्ली पुलिस और सहयोग के लिए हरियाणा पुलिस को भी धन्यवाद दिया।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने भी इस मामले में गठित एसआईटी टीम में शामिल अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये लोग आरोपियों को पकड़ने में जी जान लगा दी और पिछले पांच दिनों में पांच-छह घंटे से ज्यादा नहीं सो पाये। आरोपियों को पकड़ने के लिए जयपुर शहर, धारुहेडा, हिसार एवं चंडीगढ़ आदि में राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली पुलिस की टीमों द्वारा पांच से सात सौ सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया।

इस पूरी कार्रवाई में मौके से दस्तयाब करने वाली टीम के पुलिस निरीक्षक मनीष कुमार, सीएसटी आयुक्तालय जयपुर के पुलिस निरीक्षक रविन्द्र प्रताप सिंह, सुनिल जाँगिड़ व दिल्ली स्पेशल सेल के पुलिस निरीक्षक राकेश कुमार की अहम भूमिका रही। इसके अलावा एसआईटी टीम से कैलाश चन्द्र बिश्नोई अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, योगेश गोयल पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण, करण शर्मा पुलिस अधीक्षक अपराध शाखा जयपुर, राजेश मीणा पुलिस अधीक्षक जयपुर, पारस जैन अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण, रामसिंह शेखावत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम, सिद्वान्त शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विद्याप्रकाश अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयपुर, पुष्पेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसओजी जयपुर, मनीष शर्मा उपधीक्षक एटीएस जयपुर व शिव कुमार भारद्वाज उप अधीक्षक पुलिस, एसओजी,जयपुर की भी सराहनीय भूमिका रही।

उल्लेखनीय है कि गत पांच दिसंबर को राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयपुर में उनके घर में ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले पुलिस ने शूटर रोहित राठौड़ एवं नितिन फौजी को शनिवार देर रात चंडीगढ़ से पकड़ लिया जबकि इससे पहले इनकी मदद करने वाले आरोपी रामवीर जाट को हरियाणा के महेंद्रगढ़ से गिरफ्तार किया गया था।

बिन्दु, आइना और हर्षिता ने श्रेष्ठ कलाकृतियां बनाकर जीते नकद इनाम

जयपुर। जयपुर में बरसों तक म्यूजियम विशेषज्ञ रहे इतिहासकार मोहनलाल गुप्ता विजयवर्गीय की याद में चल रहे पांच दिवसीय चित्रकार शिविर का रविवार को समापन हुआ। जलमहल के पास स्थित पद्मश्री रामगोपाल विजयवर्गीय स्मृति म्यूजियम में हुए समारोह में पिछले पांच दिनों के दौरान जयपुर और प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए कलाकारों की बनाई कृतियों की इस मौके पर एग्जीबिशन लगाई गई। यहां लगी प्रदर्शनी में जयपुर से ही नहीं अलग-अलग शहरों से भाग लेने आए कलाकारों की कृतियां भी प्रदर्शित की गईं। अजमेर, कोटा, चूरू और भी कई शहरों से आये कलाकारों में काफी उत्साह नजर आ रहा था।

दूरदर्शन के पूर्व निदेशक नंद भारद्वाज ने इन कृतियों को मौके पर देखकर श्रेष्ठ कृतियों का चुनाव किया जबकि जापान के कलाकार मोरायामा ने ऑनलाइन कृतियों को देखकर श्रेष्ठ कृतियों का चुनाव किया। इसके अलावा युवा कलाकारों श्वेता विजयवर्गीय, प्रियंवदा, अनंत और वेदांत ने भी श्रेष्ठ कृतियों के प्रति अपनी राय दी। सबकी मिलीजुली राय के आधार पर बिन्दु कुमारी की कृति को प्रथम पुरस्कार स्वरूप दस हजार रुपए की नकद राशि दी गई। आइना राजपुरोहित की कृति को दूसरे स्थान के रूप में साढ़े सात तथा हर्षिता सेनी की कृति को तीसरे स्थान के रूप में पांच हजार रूपए की नकद राशि प्रदान की गई। जबकि महक भूरिया और प्रतीक्षा जैन को प्रोत्साहन के रूप में एक एक हजार रूपए की नकद राशि प्रदान की गई।

समारोह के मुख्य अतिथि नंद भारद्वाज, कार्यवाहक मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी फारूख आफरीदी तथा म्यूजियम के फाउंडर कमल विजयवर्गीय ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में भजन लाल शर्मा ने वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप सर्किल पर स्व. सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 563 मामलों का निस्तारण

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आई.ए.एस.अश्विनी भगत की अध्यक्षता में राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर में चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। रजिस्ट्रार, आरएएस पंकज ओझा ने जानकारी दी की अनंत भंडारी, सदस्य(न्यायिक), एवं चेतन राम देवड़ा, सदस्य द्वारा लोक अदालत में आपसी सहमति से अधिकरण में लंबित 563 प्रकरणों का रिकार्ड निस्तारण किया गया। इस कार्य में अरूण पारीक, रीडर एवं अन्य स्टाफ का योगदान भी सराहनीय रहा।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जयगढ़ फेस्टिवल में राजस्थानी कवियों ने सुंदर काव्य पाठ से समां बांधा

जयपुर। प्रतिष्ठित जयगढ़ फोर्ट में आयोजित दो दिवसीय द जयगढ़ फेस्टिवल का रविवार को उत्साह और उमंग के साथ समापन हुआ। फेस्टिवल के समापन समारोह की शुरूआत ढुंढाड़ी कवि सम्मेलन, लोक नृत्य प्रस्तुतियों और बांसुरी वादन के साथ हुई। इस अवसर पर सभी शिल्पकारों को स्मृति चिन्ह व कार्यशाला के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

ढुंढाड़ी भाषा को प्रोत्साहन देने के उदेश्य से आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों द्वारा काव्य पाठ की सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में राजस्थान के जाने-माने कवियों ने हिस्सा लिया, इनमें गोपीनाथ गोपेश, कल्याण सिंह शेखावत, प्रह्लाद कुमावत, सुशीला शर्मा, किशोर पारीक, भगवान सहाय पारीक, रितेश शर्मा पथिक, भवानी सिंह राठौड़, अभिलाषा पारीक, आमना राजावत, वेद प्रकाश दाधीच, सुशील गुप्ता ने काव्य पाठ किया। आयोजन का संचालन शोभा चंदर ने किया। इसके साथ ही ढुंढाड़ी भाषा संगोष्ठी में साहित्यकार इतिहासकार श्री जितेन्द्र सिंह ने जयगढ़ निर्माण पर प्रकाश डाला।

द जयगढ़ फेस्टिवल का रविवार को उत्साह और उमंग के साथ समापन हुआ। इस मौके पर कार्यकारी ट्रस्टी, एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय, रमा दत्त और सिटी पैलेस के राजगुरू, सुबोध चंद्र शर्मा ने राजस्थानी कवियों का सम्मान किया।

फेस्टिवल के दौरान बांसुरी वादन, घूमर सहित अन्य राजस्थानी लोक प्रस्तुतियां भी हुई। गौरतलब है कि पर्यटन स्थल के रूप में जयगढ़ फोर्ट के 40 गौरवशाली वर्षों का जश्न मनाने के लिए पहली बार इस अनूठे फेस्टिवल का आयोजन किया गया था। अब इस फेस्टिवल का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाएगा।

फेस्टिवल का समापन लोक प्रस्तुतियां, लघु चित्रकला, ब्लॉक प्रिंटिंग आदि विभिन्न कार्यशालाओं के प्रतिभागियों, शिल्पकारों और कवियों के सम्मान के साथ हुआ। कार्यकारी ट्रस्टी, एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय, रमा दत्त और सिटी पैलेस के राजगुरू, सुबोध चंद्र शर्मा ने सभी का सम्मान किया। समारोह का संचालन सिटी पैलेस, ओएसडी, रामू रामदेव ने किया। इसके पश्चात दिन में एक कला प्रदर्शनी और फेस्टिवल बाज़ार का भी आयोजन हुआ। इस दो दिवसीय फेस्टिवल में बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्र, शिक्षाविद, कलाकार, कला प्रेमी, संगीत प्रेमी, इतिहास प्रेमी, वास्तुकला प्रेमी, शॉपर्स, संस्कृतिकर्मी और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हुए।

- जयगढ़ फेस्टिवल का उत्साह और उमंग के साथ समापन
- अंतिम दिन लोक प्रस्तुतियां और ढूंढाड़ी कवि सम्मेलन रहा मुख्य आकर्षण

सकल राजपूत महासभा का होगा पुनर्गठन

जयपुर। जयपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय एक बैठक में आज ये निर्णय लिया गया कि सकल राजपूत महासभा की सभी ज़िला इकाइयों का पुनर्गठन होगा। हाल ही में समाज की ज्वलंत समस्याओं में जिन ज़िला इकाइयों ने सक्रिय रूप से भागीदारी नहीं निभाई, राजनीतिक दलों का समाज के पद पर रहते हुए समर्थन किया, ऐसे ज़िलाध्यक्षों को पद मुक्त कर संगठन में युवा और अनुभवी लोगों को मौका दिया जाएगा। बैठक में तय किया गया कि फ़रवरी माह में उदयपुर में प्रदेश स्तरीय सम्मेलन होगा जिसमें समाज के सभी नव निर्वाचित विधायक और मंत्रियों का अभिनंदन किया जाएगा। इस सम्मेलन में राजपूत समाज के प्रतिभाभावान विभूतियों का भी सम्मान किया जाएगा।

सकल राजपूत महासभा के प्रदेश अध्यक्ष तनवीर सिंह कृष्णावत ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री उत्तरप्रदेश के राजपूत नेता को बुलाया जाएगा। सकल राजपूत महासभा के इस अधिवेशन में विभिन्न कमेटियों का गठन कर ज़िम्मेदारिया तय की जाएगी, कार्यक्रम स्थल उदयपुर शहर रहेगा और कार्यक्रम की तारीख़ 10 से 14 फ़रवरी के मध्य रखी जाएगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in

क्रमांक : जविप्रा/उपा/जोन-10/2023/डी-3246 दिनांक : 08.12.2023

विज्ञप्ति

जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन-10 मे स्थित ग्राम विजयपुरा तहसील जयपुर के खसरा नम्बर 554/2 व 555 की 2 बीघा 5 बिस्वा (5691 व.मी.) भूमि के औद्योगिक रूपान्तरण से फार्म हाउस / रिकेशनल प्रयोजनार्थ अनुमोदन कर एकल पट्टा जारी किये जाने हेतु आवेदक श्री प्रेम प्रकाश अरोडा पुत्र श्री प्रभूदयाल अरोडा द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रकरण मे ग्राम विजयपुरा तहसील जयपुर के खसरा नम्बर 554/2 (पुराना खसरा नम्बर 554) व 555 मे से 2 बीघा 5 बिस्वा (5691 व.मी.) भूमि का राज्य सरकार की स्वीकृति के पश्चात जिलाधीश, जयपुर द्वारा जरिये आदेश क्रमांक R18 B (113) 73/8473 दिनांक 26.08.1974 श्री प्रभूदयाल अरोडा, प्रोपराईटर भारत ब्रिक्स बिल्डर्स के नाम से औद्योगिक रूपान्तरण हेतु आवंटन किया गया है एवं लीजडीड भी श्रीमान् जिलाधीश महोदय द्वारा दिनांक 10.09.1974 को जारी की गई थी।

यदि किसी भी व्यक्ति, संस्थान को उक्त भूमि का रूपान्तरण औद्योगिक से फार्म हाउस /रिकेशनल किये जाने के संबंध में कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस मे कार्यालय जविप्रा उपायुक्त 10 के कमरा नम्बर JB-SF-205 मे प्रस्तुत करे अन्यथा मियाद पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी तथा नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त (जोन-10) जविप्रा, जयपुर